गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

(भारत की संसद के अधिनियम सं. 25, 2009 के अंतर्गत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

(Established by an Act of Parliament of India, No 25 of 2009)

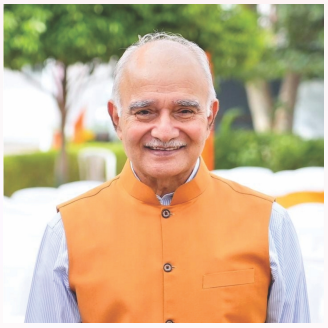

संदेश

आप सभी को 'हिंदी दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएँ।

14 सितंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकृत किया। भाषा किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक चेतना की संवाहक होती है। भाषा का सम्मान केवल शब्दों से नहीं, बल्कि उसके व्यवहार और प्रयोग से होता है। हिंदी हमें विविधता में एकता का अनुभव कराती है और भारतीयता की बुनियाद को सुदृढ़ बनाती है। हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं, अपितु हमारी संस्कृति, सभ्यता और राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान भी है। भारत सरकार की राजभाषा नीति प्रेरणा, सद्भावना और प्रोत्साहन के मूल्यों पर आधारित है।

हिंदी देश की राजभाषा होने के साथ-साथ संपर्क भाषा के रूप में भी विशेष महत्व रखती है। यह सरल, सहज, समृद्ध और सशक्त भाषा है। आज विश्वभर में इसे 60 करोड़ से अधिक लोग बोलते हैं। इस प्रकार हिंदी विश्व की प्रमुख भाषाओं में प्रतिष्ठित स्थान रखती है। संविधान के अनुसार हिंदी हमारी राजभाषा है और इसके संवर्धन एवं प्रसार के लिए हमारा विश्वविद्यालय पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

राजभाषा हिंदी में कार्य करना हम सभी का संवैधानिक दायित्व है। अतः आप सभी से अनुरोध है कि आप न केवल अपने कार्यालयी कार्य हिंदी में संपन्न करें, बल्कि हिंदी के प्रयोग को अपने व्यवहार और कार्यसंस्कृति का अभिन्न अंग बनाएँ। अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अधिकतम कार्य हिंदी में करते हुए अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें।

यह हर्ष का विषय है कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हमारे विश्वविद्यालय में 'हिंदी पखवाड़ा' का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आयोजित वाद-विवाद, निबंध, कविता-पाठ, कार्यशाला एवं अन्य प्रतियोगिताएँ हमें न केवल हिंदी भाषा के प्रयोग की प्रेरणा देती हैं, बल्कि इसकी उपयोगिता और व्यावहारिकता को भी सुदृढ़ करती हैं। हिंदी पखवाड़ा केवल औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि हिंदी के प्रति हमारे दायित्व और समर्पण का जीवंत प्रतीक है।

हिंदी दिवस के इस अवसर पर हम सभी यह संकल्प लें कि राजभाषा हिंदी को अपने सरकारी एवं शैक्षणिक कार्यों में सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे और इसके प्रगतिशील एवं व्यवहारिक स्वरूप को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय योगदान करेंगे।

रमाशंकर दूबे

कुंढेला, वडोदरा
दिनांक: 14 सितंबर, 2025

प्रो. रमाशंकर दूबे
कुलपति

कुंढेला, डभोई, वडोदरा- 391107, गुजरात, फोन नं. 079-23977402,
ई-मेल: vc@cug.ac.in वेबसाईट : www.cug.ac.in

पूर्व कुलपति : तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, बिहार
और गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़